



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1130489

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Maitreya Kumar Shukla

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

28/08/2022

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre
**ANAND VIDYA
MANDIR HIGH
SCHOOL
BHOPAL**

Maitreya
निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			6 (c)		
2(b)			7		
3(a)			8		
3(b)			9		
4(a)			10		
4(b)			11		
5(a)			12		
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

असीमित संपत्ति का तर्क लाभ के रूप में स्वहित की पूर्ति करने की बुनियादी मानवीय प्रवृत्ति में निहित है। इस संदर्भ में, क्या आपको लगता है कि नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने की संभावना है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The logic of limitless wealth lies in the basic human instinct for furthering self-interest in the form of profit. In this context, do you think there is a possibility of pursuing ethical capitalism? (Answer in 150 words)

10

पूंजीवाद, इस विशेषता का नाम है जो व्यक्ति के द्वारा संपत्ति के संग्रहण पर टिकी है। पूंजीवाद के अंतर्गत मेहनत व उससे प्राप्त लाभ की महत्व प्रदान किया जाता है।

परंतु मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि वह केवल स्वहित की बात सोचता है, इसलिए वह लाभ के नाम पर असीमित संपत्ति का संग्रहण करता जाता है जो व्यक्ति के साथ-साथ समाज के लिए बुराई प्रकार की अनौतियाँ प्रस्तुत कर रहा है।

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक पूंजीवाद इस विचारधारा
की ओर इशारा कर रही है जो
पूँजीवादी मूल्यों का पालन सामाजिक
नैतिकता के दायरे में रह कर करे।

नैतिक पूंजीवाद से लाभ/हानि →

लाभ

- 1) असीमित बल्य पर
शेक।
- 2) समाज के लिए भी
कार्य होगा।
- 3) असमानता की
समाप्ति।

हानि

- 1) मेहनत की हतोत्साहन
- 2) व्यक्ति स्वयं हेतु
भी कार्य नहीं
करेगा।

इस प्रकार लगातार बढ़ता बल्य
व संपत्ति ग्रहण की वजह से मेहनत,
प्रतिस्पर्धा का सम्मान करते हुए
नैतिक पूंजीवाद के अनुसरण की
आवश्यकता है।

1. (b)

यदि कोई कानून अन्यायपूर्ण है, तो व्यक्ति द्वारा उसकी अवज्ञा करना न केवल उचित है, अपितु ऐसा करना उसका दायित्व भी है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

If a law is unjust, a man is not only right to disobey it, he is obligated to do so. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस इच्छित में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून, किसी संसद द्वारा बनाए गए हैं नियम होते हैं जिनका पालन करना नागरिकों की जिम्मेदारी होने के साथ-साथ उसके लिए दाव भी होता है।

अन्यायपूर्ण कानून -

- कानूनों को बदला दे।
→ जैसे - बाल विवाह हेतु
- व्यक्ति वर्गों के विरुद्ध हो। → दुर्मादत को बदला दे।
- राष्ट्र के हित में न हो।

ऐसे में नागरिक के सामने यह नैतिक दुविधा होती है कि वह कानून का पालन करे या अपनी नैतिक जिम्मेदारी को मानकर उसकी अवज्ञा कर दे -

मानना चाहिए

1- हमारे द्वारा चुनी
गयी सरकार ने
बनाए हैं।

2- ऐसानीकृतता समाज
में अराजकता को
बढ़ावा देगा।

नहीं मानना चाहिए

1- "नैतिक अदालत
(अंतर्मा की अदालत)
सबसे ऊँची है" - जाधी

2- ऐसानीकृतता सत्ता
को और अन्याय हेतु
प्रोत्साहित करेगा।

उम्मीदवारों को
इस शीर्षक में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अधिक यह होगा कि यदि कानून
अन्यायपूर्ण है तो उसके लिए विभिन्न
माध्यमों (मीडिया, संगठन) तथा दवाव
समूहों के माध्यम से सरकार पर दबाव
बनाया जाए, पूरी तरह अकला कर
देना भी अनुचित होगा।

स्पष्ट है कि नैतिकदुर्विधा
कमी-कमी कानूनों के अनुपालन
की समस्या भी बन जाती है,
पर हमेशा संवैधानिक माध्यमों
पर ही चलकर असका सामना किया
जाए।

2. (a)

किसी परिवर्तनकारी प्रक्रिया को शुरू करने की सिटीजन चार्टर की क्षमता उसे उचित रूप से तैयार करने और प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The capacity of Citizens' Charter to initiate any transformative process is conditioned upon it being appropriately designed and effectively executed. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए। Candidates must not write on this margin

सिटीजन चार्टर से तत्पर्य

किसी संगठन द्वारा नागरिकों की सहायता हेतु अपने यहां दी जाने वाली 'सेवाओं', प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा अन्य जानकारी सर्वता से नागरिकों तक पहुंचाई है।

सिटीजन चार्टर के तत्व

- सेवाओं की जानकारी
- प्राप्त करने की प्रक्रिया।
- न प्राप्त होने पर शिकायत की जानकारी।
- आसान भाषा
- स्पष्ट वर्णन।

कठिनाई -

- कठिन भाषा व शब्दावली
- सेवाओं, प्रक्रिया आदि की स्पष्ट जानकारी नहीं।
- कई कार्यालयों में लागू ही नहीं।

आवश्यक सुधार →

- हर संगठन (सार्वजनिक या निजी) में लागू किया जाए।
- तैयार करने के स्पष्ट मानक बनाए जाएं तथा उनका पालन किया जाए।
- जनता को जागरूक किया जाए।
- लायवली असाइन व डिजाइन आकर्षक हो।

महत्व

- पारदर्शी व जवाबदेही प्रशासन।
- सहभागी लोकतंत्र स्थापना।

मिथीजन चारि प्रशासन को नागरिक केंद्रित बनाने की अच्छी पहल है जिसका क्रियान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना इसे तैयार करना।

2. (b)

लोक प्राधिकारियों की आंतरिक शक्ति (मोरल फाइबर) और नैतिक आचरण न केवल शासन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं बल्कि उनके स्वयं के हितों और प्रदर्शन को भी प्रभावित करते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The moral fiber and ethical conduct of public officials not only influence the standard of governance but also their own interests and performance. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हार्फ में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लोक प्राधिकारी से तात्पर्य
ऐसे कर्मचारियों से है जो प्रत्यक्ष
या अप्रत्यक्ष रूप से जनता के कार्यों
के लिए हैं।

आंतरिक शक्ति (मोरल फाइबर)

↳ आंतरिक शक्ति से तात्पर्य उनकी
अंतरात्मा के नैतिक व अनैतिक
में नैतिक का पक्ष बने की
प्रवृत्ति से है।

नैतिक आचरण - आचरण, किसी
व्यक्ति की वे विशेषताएँ हैं
जो वह प्रत्येक परिस्थिति में
बार-बार प्रदर्शित करता है।
अगर व्यक्ति हमेशा नैतिकता
के पक्ष में ही खड़ा है, तो
उसका आचरण नैतिक है।

मोख फाइवर व नैतिक आचरण का

महत्व ->

1) शासन की गुणवत्ता में -

- संवेदनशील प्रशासन स्थापना।
- वंचित वर्गों का ध्यान।
- नागरिकों का सम्बन्धी विकास।
- अपराध पर कड़ी कार्यवाही।

2) व्यक्तिगत हित -

- संगठन में शक्ति बढ़ेगी।
- बड़े कार्य प्राप्त होंगे।
- प्रदर्शन लगातार अच्छा होगा।

नैतिकता, ~~सर्व~~ कार
के अनुसार हमें निश्पक्ष रूप
में चलन करना चाहिए जो
हमारे व समाज दोनों के लिए
बाना प्रद होगी।

3. (a)

इच्छामृत्यु पर जारी बहस कई नैतिक प्रश्नों को जन्म देती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The ongoing debate on euthanasia poses several ethical questions. Discuss. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए। Candidates must not write on this margin

इच्छामृत्यु से तात्पर्य

किसी व्यक्ति का अपनी इच्छा से अपने जीवन को समाप्त कर लेने के अधिकार से है।

जैसे - संघारा प्रथा।

निहित नैतिक प्रश्न →

- समाज में आत्महत्या की बढ़ती।
- कष्टप्रद जीवन जीना या समाप्त कर लेना।
- जीवन देने का अधिकार किसे है?

पक्ष में तर्क

विपक्ष में तर्क

1) जीवन के अधिकार में उसे समाप्त करने का अधिकार भी है।

1) व्यक्ति का जीवन समाज की दायरे में है।

2) गोधी जी ने
भी असाध्य व
कष्टप्रद रोग पर
ग्रन्थ को अघित
बताया था।

2) असाध्य व
कष्टप्रद रोग
की परिभाषा
का अस्पष्ट
होना।

अघित विकल्प यह होगा

कि → सामान्य परिस्थिति में इच्छाशून्य
नहीं होनी चाहिए।

→ अंतत ही असह्य परिस्थिति
का सामना कर रहे व्यक्ति को
'असह्य' की रिपोर्ट/व्यापक जांच
के बाद ही अनुमति दी जाए।

इच्छाशून्य पर वल्ल समाज
के लोकतांत्रिकरण के साथ और
बढ़ती गिस पर समाज में
स्वस्थ चर्चा के बाद ही
निर्णय लिया जाए।

3. (b)

विदेशी सहायता नव-उपनिवेशवाद का एक रूप है, क्योंकि आर्थिक रूप से समृद्ध देश सहायता की आड़ में विकासशील देशों का शोषण कर सकते हैं। परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Foreign aid is a form of neo-colonialism, as the economically wealthier countries can exploit the developing countries under the cloak of aid. Examine. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए। Candidates must not write on this margin

उपनिवेशवाद से तात्पर्य किसी देश द्वारा दूसरे देश का शोषण अपने आर्थिक हितों के लिए करने से है। वर्तमान में यदि यह प्रवृत्ति दिखती है तो उसे नव-उपनिवेशवाद कहा जाता है।

विदेशी सहायता, नव-उपनिवेशवाद के रूप में-

1) चीन की 'ऋण जाल नीति' इसका सबसे अच्छा आहरण है, जो आर्थिक सहायता के बदले देश की संपत्तियों व संसाधनों पर खतरा बन जाता है।

↳ जैसे - अफ्रीकी देशों के साथ समझौते।
↳ वर्तमान में श्रीलंका।

2) अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी यह प्रवृत्ति देखी जाती है।

8) आई.एम.एफ. तथा वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी आर्थिक सहायता के बदले विदेश से लेकर रक्षा नीति को प्रभावित करते हैं।

↳ जैसे- IMF द्वारा पाकिस्तान को सहायता।

हालांकि हर परिस्थिति में यह सही नहीं है तथा कुछ ऐसे भी देश हैं जो वास्तविक रूप में सहायता करते हैं। जैसे- भारत द्वारा श्रीलंका को अब तक 3.8 billion \$ का उधार।

उपनिवेशवाद एक सम्व्यक्तलीन विशेषता है जिसे लागू कर ही आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का निर्व्यतिष्ठ किया जाना चाहिए।

4. (a)

रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा प्रतिपादित सार्वभौम मानवतावाद के विचार पर प्रकाश डालते हुए, इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Throwing light on the idea of Universal Humanism propounded by Rabindranath Tagore, discuss its contemporary relevance. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

रवीन्द्रनाथ टैगोर भारत

के महान कवि, दार्शनिक व समाज
सुधारक थे। भारत भूमि पर
पहला नोबल पुरस्कार लाने का
श्रेय इन्हीं को है।

सार्वभौम मानवतावाद -

→ इसके अंतर्गत 'मानव' की केंद्र
में रखा जाता है उसके साथ-
साथ अन्य जीव जंतुओं का
भी सम्मान दिया जाता है। ~~(मानववाद)~~
(मानववाद में केवल मानव की चिंता)

→ सार्वभौम, एक प्रकार से अंतर्राष्ट्रीयता
वाद है जो राष्ट्र की सीमा

के आधार पर भेद के खिलफ है।

['पंखी, ~~पंखी~~, पवन के स्रोतों
कोई सरहद इन्हें न रोके]

आज के दौर में प्रासंगिकता -

1) मानव के साथ-साथ हर जीव-जंतु को ध्यान में रखा जाना ही अर्ने नेस की 'इकोलाजिकल फिलासफी' का आधार है तथा जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से लड़ने में हमारी सहायता करेगा।

2) अंतर्राष्ट्रीयतावाद, वैश्वीकरण का आधार है जो विश्व को एक 'गोवि' के रूप में देख रहा है।

महान दार्शनिकों की बातें देखा-कल बढ़े, न होकर सार्वकालिक होती हैं जो दौरे जो के साथ भी हैं।

4. (b)

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि चारित्रिक प्रकृति, न कि परवरिश, किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्धारण करती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Do you agree with the view that it is nature and not nurture which determines the emotional intelligence of a person? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

डेनियल गोल्मैन ने अपनी
पुस्तक "इमोशनल इंटेलिजेंस: हार्ड
इट केन मेक मोर देन आई. यू."
में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के 5 तत्व

बताए हैं

- स्व जागरूकता
- स्व नियंत्रण
- स्व प्रेरण
- समानुभूति
- सामाजिक कौशल

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के निर्धारण
में विभिन्न तत्वों की भूमिका -

1) किसी व्यक्ति की प्रकृति प्रमुख
निर्धारक है, जो उसे उस प्रकार
की चीजों के संपर्क में लाएगी
जिससे यह विशेषता विकसित

हो। जैसे - व्यक्ति की प्रवृत्ति सामाजिक
है तो वह सामाजिक कौशल
जल्दी सीख जाएगा।

उम्मीदवारों को
इस घण्टी में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

2) इसके अलावा स्वयं से बात करता,
उपरी लेखन, आत्म सुलोकन
आदि तत्व भी इसमें भूमिका
निभाते हैं।

3) भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास
में व्यक्ति की परवरिश की
भूमिका भी सीमित तौर पर है
जो उसे उस विधीयता वायु बनाती
है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता
एक सामाजिक कौशल है जो
एक प्रशासक के पास होना
चाहिए, इसके निर्माण में
विभिन्न तत्वों की भूमिका है।

5. (a)

वे मूल्य जो लोक प्रशासकों का मार्गदर्शन करते हैं, व्यापक सार्वजनिक हित के लिए अपने सापेक्ष महत्व के कारण प्रायः एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Values that guide public administrators can often compete with each other, owing to their relative importance to the larger public interest. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हिसाब से नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

मूल्य वे नैतिक आदर्श होते हैं, जिनके लिए कोई व्यक्ति किसी न किसी मात्रा में त्याग कर सकता है।

लोक प्रशासकों में अपेक्षित मूल्य

- 1 सत्यनिष्ठा, ईमानदारी
- 2 सहानुभूति, कृपा
- 3 वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता
- 4 धैर्य, लगन
- 5 पारदर्शिता, जवाबदेही

मूल्यों में टकराव - प्रत्येक मूल्य की का

व्यक्ति के मन में एक निश्चित सोपानक्रम होता है, जिनके अनुसार व्यक्ति उनमें चयन करता है।

उदाहरण -

- 1) किसी व्यक्ति को किसी व्यक्ति की मदद (सहानुभूति) तथा नियमों का अनुपालन में (सत्यनिष्ठा) में

टकराव।

2) अपने हित (स्वहित) तथा संगठन के हित (सार्वजनिक हित) में टक्कर।

3) नियमों का अनुपालन करना या पारदर्शिता का मूल्य निमाना।

उपाय → 1) नियमों व कानूनों का पालन पर बैधित वर्गों के पक्ष में विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग।

2) मूल्यों का सोपानक्रम स्पष्ट करना।

3) व्यापक हित को संकीर्ण हित पर प्राथमिकता देना।

मूल्यों को लेकर दुविधा लोकसेवक के जीवन का हिस्सा है जिसे पूरी स्पष्टता व इमानदारी के साथ दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

5. (b)

क्या यह कहना तर्कसंगत है कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना है? प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के विभिन्न तरीके क्या हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Is it justifiable to say that corruption is a social phenomenon? What are the various ways through which administrative corruption can be tackled? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस छवि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार से तात्पर्य किसी लोकसेवक द्वारा किसी व्यक्तिगत हित या लाभ के कारण अथवा उपहार के बदले अपनी क्षमताओं का दुरुपयोग या अनुपयोग करना। भारत में यह

~~भ्रष्टाचार~~ भ्रष्टाचार निवारण अधीन 1988 के तहत अपराध है।

भ्रष्टाचार के कारण →

1) सामाजिक परिघटना मानना -

↳ समाज में भ्रष्टाचार को एक स्थायी मूल्य मान लिया जाना।

[चाणक्य - 'यह संभव है कि पानी में तैरने वाली मछली आकाश में उड़ने लगे पर राज्य के कर्मचारी रिश्त न हों यह संभव नहीं']

→ समाज का भ्रष्टाचार को चुनाव या प्रदर्शन का कट्टा न मानना।
→ लोगों द्वारा ही जल्दी कार्य हेतु भ्रष्टाचार की समावना तलाशना।

2) आर्थिक - आर्थिक लाभ व बलिथ)

3) राजनीतिक - स्पष्ट कानून नहीं।
उमषी अनुपालन नहीं।

प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के उपाय -

1) कानूनी	2) राजनीतिक	3) सामाजिक
→ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का विस्तार व कार्यान्वयन	→ दलों द्वारा कट्टा उठाया जाना।	→ लोगों को इसके खिलाफ जागरूक करना।

'कॉर्प्सन परसेप्सन इंडेक्स'

में भारत का नीचे गिरा जाना
वैश्विक स्तर पर भारत में इसे सामाजिक परिधिना के रूप में देखे जाने का ही परिणाम है।

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या मायने रखता है?
What do each of the following quotations mean to you?

- (a) "गरीबी पर काबू पाना दान का कार्य नहीं है; यह न्याय का कार्य है।" नेल्सन मंडेला (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"Overcoming poverty is not a task of charity; it is an act of justice." Nelson Mandela (Answer in 150 words) 10

'अफ्रीकी क्रांति' के नायक
नेल्सन मंडेला का यह कथन आज
की वैश्विक स्थिति में और भी
ज्यादा प्रासंगिक है।

गरीबी से नासमर्थ मुश्किल
आर्थिक तथा गैरतः सामाजिक, राजनीतिक
व अन्य सुविधाओं के अभाव से है।
गरीबी को दूर करने के लिए केवल
पैसे देना व दान की प्रवृत्ति
के रूप में देखना सन्तुष्टि नहीं
है बल्कि यह एक न्याय की मांग
करना है जिसमें गरीब तक
न्यायपूर्ण ढंग से हर संसाधन
पहुँचाया जा सके।

मेरे जीवन में मानने -

1) गरीब की तरह हीन भावना से देखने वालों को समझता हूँ कि वह हमारे पास अन्धायुष्म दृष्टि से आए संसाधनों का नतीजा ही यह है।

2) गरीब की आर्थिक मदद करना दायित्व समझता हूँ।

3) समाज में अपने प्रभाव के लोगों में गरीबों के सर्वांगीण विकास की बात करता हूँ तथा उन्हें जागरूक करता हूँ।

वैश्विक शांति तथा अन्य सभी मुद्दों तक तक बेकाए है जब तक विश्व सम्मिलित रूप से गरीबी हटाने के प्रयास नहीं करता।

उम्मीदवारों को
इस हार्डिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

6. (b)

"मेरा यह मानना है कि जहां कायरता और हिंसा में से केवल किसी एक को चुनना हो तो मैं हिंसा चुनने की सलाह दूंगा।" - महात्मा गांधी (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"I do believe that, where there is only a choice between cowardice and violence, I would advise violence." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

अहिंसा के सबसे बड़े नामक
महात्मा गांधी ने यह कथन इन
आक्षेपों का स्पष्टीकरण देते हुए
कहा था जिनमें अहिंसा को
कायरों द्वारा अपनाई गई पहचान
कहा गया था।

गांधी जी के अनुसार
अहिंसा के लिए पहली शर्त साहस
है तथा व्यक्ति मजबूरी से
नहीं बल्कि चुनकर अहिंसक
बनता है। अगर ~~किस~~ व्यक्ति
उत्कर अहिंसा की बात करता
है तो अर्थ है कि वह हिंसा
कर ले।

मेरे जीवन में भावने -

- 1) मैं अपने जीवन में अहिंसा के मूल्य का पूरी श्रद्धा से पालन करता हूँ।
- 2) साहस व शक्ति के अभाव में अहिंसा की बात करने वाले लोगों को इस कथन का अर्थ समझाने का प्रयास करता हूँ।
- 3) यदि मेरे जीवन में ऐसी परिस्थिति आती है कि मुझे हिंसा तथा क्रूरता में जुटना ही तो जहाँ तक वह हिंसा संविधान के अधीन होगी मैं हिंसा चुनूँगा।

गांधी जी की प्रसंगिकता पर उठते सवालों के बीच यह बात लेना चाहिए कि उनकी बातें किसी कमर की बातें नहीं अधम्य साहसी की बातें हैं।

6. (c)

"परिवर्तन अपरिहार्यता के पहियों पर नहीं चलता है, बल्कि निरंतर संघर्ष के माध्यम से आता है।" मार्टिन लूथर किंग जूनियर (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"Change does not roll in on the wheels of inevitability, but comes through continuous struggle." Martin Luther King Jr (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

परिवर्तन प्रकृति का नियम
है। यह दृष्टा तो दुनिया के अधिकंश समाजों में है, पर परिवर्तन को तो एक स्वभाविक प्रक्रिया मानकर देखते हैं, न कि उसके लिए प्रयास करते हैं।

इस उद्यन के माध्यम से मार्टिन लूथर किंग जूनियर का विचार है कि परिवर्तन यह मान लेने से नहीं होगा कि वह तो अपरिहार्य है इसलिए दोषा ही बल्कि परिवर्तन को बाने के लिए निरंतर

संघर्ष करना पड़ता है तब वह
स्थापित होता है। जैसे - उन्हीं
ही लगातार संघर्ष कर अमेरिका
की नस्लभेदी व्यवस्था को बदला।

मेरे जीवन में महत्व -

- 1) मैं लगातार नए लोगों से मिलकर
अर्थे सूत्रों की गृहण करने
का प्रयास करता हूँ।
- 2) मैं अपने सूत्रों की निरंतर जांच
करता हूँ तथा यदि आवश्यक
तरीके से उन्हें बदलने के प्रयास
शुरू करता हूँ।
- 3) मैं, समाज के वंचित वर्गों की
स्थिति बदलने के लिए लगातार
लोगों को जागरूक करता हूँ।

परिवर्तन का सूत्र ही
क्रांति को सुदृढ़ होने से
बचाता है।

7.

आप एक मेट्रोपॉलिटन शहर में पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात हैं जहां एक आधिकारिक समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा प्राप्त एक विदेशी पदाधिकारी के दौरे का कार्यक्रम है। सुरक्षा तैयारियों के एक भाग के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि शहर में समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए विदेशी पदाधिकारी द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग पर किसी भी वाहन यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, विदेशी पदाधिकारी के आगमन के लिए निर्धारित समय से ठीक 15 मिनट पहले आपको यह सूचना मिलती है कि गंभीर रूप से बीमार एक मरीज, निजी कार से अस्पताल ले जाते समय अपने परिवार के साथ रास्ते में फँस गया है। इस स्थिति में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- वी. आई. पी. के आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- इस स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को उनके गुणों एवं दोषों के साथ सूचीबद्ध कीजिए।
- आपकी कार्रवाई क्या होगी? उचित तर्कों के साथ उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Commissioner of Police in a metropolitan city where a visiting foreign dignitary, with President-level security cover, is scheduled to visit for an official function. As a part of the security preparedness, it has been decided that no vehicular traffic will be allowed on the route which will be taken by the foreign dignitary to reach the venue of the function in the city. However, just 15 minutes before the scheduled arrival of the dignitary, you are informed that a critically-ill patient is stuck on the way to the hospital in a private car along with his family.

In this situation, answer the following:

- Discuss the issues involved in halting traffic for VIP movement.
- List the options available to you in this situation with their merits and demerits.
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

अपने कर्तव्यों का सत्यनिष्ठा
से पालन बनाम संवेदनशीलता
के मूल्यों की यह ठेस हट्टी
आकृष्ट के रूप में मुझसे कई
कठिन सवाल करती है।

(a) जहाँ तक वी. आई. पी. के आवागमन
के लिए यातायात सेक्टर का प्रश्न
है, यह कई कारणों से उचित है -

- i) उनकी सुरक्षा संबंधी खतरों।
- ii) विदेशी प्रेहमान की सुरक्षा में
यह उस देश के साथ हमारे
संबंधों को प्रभावित करेगी।

परंतु इस संदर्भ में निम्न बातों का
ध्यान रखा जाए -

- 1) अनावश्यक रूप से देर तक यातायात
न बाधित हो।
- 2) रैंजुलैस तथा मरीजों के लिए
ग्रीन कारीडोर बनाकर उन्हें
जाने दिया जाए।

(b) उपलब्ध विकल्प -

- 1) अपने कर्तव्यों का पालन करें तथा
सेवा की विंता न करें।

↓
गुण

↓
दोष

- 1) सत्यनिष्ठा का
पालन।
- 2) कोई सवाल नहीं
उठेगा।
- 3) सुरक्षा सुनिश्चित हो
सकेगी।

- 1) संवेदनशीलता।
- 2) अपने सुझावों
के विरोध
जाना।
- 3) विखंडित व्यक्तित्व
(Split Personality)

2) मरीज को जाने देने के लिए थोड़ी
देर के लिए रास्ता खोल दें -



- | | |
|---|-----------------------------|
| 1) संवेदनशीलता
व सुझावों का पालन | 1) सुरक्षा में
बूझ होगी। |
| 2) मरीज की जान
बच जाएगी। | 2) कार्यवाही हो
सकती है। |
| 3) मरीज के बारे में अधिकारी
के साथ अधिकारियों की सलाह देना | |

गुण

दोष

1) अपना कर्तव्य निर्वहन

1) चापद उसकी

2) कार्यवाही अपने ऊपर
नहीं होगी।

जान न बचायी
जाए।

(C). मेरी कार्यवाही - मेरी कार्यवाही
कई चरणों में होगी -

1) ~~ऊपर~~ के अधिकारियों की स्थिति
की सूचना देगा।

2) तत्काल स्वयं या किसी विश्वसनीय
अधिकारी को मरीज के पास
भेजूंगा, जो उसे तब तक
जरूरी सहायता देगा।

3) घोषणा कराकर उसे दूर
ट्रेकिंग में ग्रीन कारीडोर
बनाकर उसे निकलवाने

उम्मीदवारों को
इस शीट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

का प्रयास करूंगा।

4) इन प्रयासों में कहीं भी सुरक्षा संबंधी मानकों का उल्लंघन नहीं करूंगा।

मुझे उम्मीद है कि मेरे इन प्रयासों के माध्यम से सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन करते हुए कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न किया जाएगा तथा मरीजों की जान भी बचायी जा सकेगी।

8.

ट्रांसजेंडर समुदाय शुरुआती समय से ही भारत के सामाजिक ढांचे का हिस्सा रहा है लेकिन उसे कभी भी समाज के एक सम्मानित वर्ग के रूप में मान्यता नहीं मिली है। 'हिजड़ा' शब्द भारत में पारंपरिक रूप से उन ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका जन्म पुरुष के रूप में हुआ था। पवित्र हिंदू ग्रंथों के अनुसार इस समुदाय की भूमिका और महत्व विवाह एवं जन्म समारोहों में अच्छे भाग्य के लिए आशीर्वाद देने तक ही केंद्रित है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के आगमन के साथ ही "क्रॉस-ड्रेसिंग" के कृत्यों को एक दंडनीय अपराध माना गया और यदि ऐसे अपराध बार-बार किए जाते थे तो कारावास का दंड दिया जाता था। इस प्रकार, हिजड़ों का अपराधीकरण शुरू हुआ। हालांकि, वर्तमान समय में इस समुदाय को पहले की तुलना में कानूनी समर्थन प्राप्त है और वे सामाजिक रूप से सशक्त हैं, किंतु ये अभी भी ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति भेदभाव-संबंधी हिंसा, गरीबी और अलगाव के शिकार हैं। उपर्युक्त के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- (a) ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा अपने जीवन के विभिन्न चरणों के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों की पहचान कीजिए।
- (b) ट्रांसजेंडर समुदाय के उत्थान के लिए वर्तमान समय में की गई कई पहलों के बावजूद भारत में उनके साथ लगातार हो रहे भेदभाव के कारणों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The transgender community has been a part of India's social set up since the very beginning but never recognized as a reputable part of the society. 'Hijra' is a term traditionally used in India for transgender women who were born male. The role and value of this community in accordance with the sacred Hindu texts condenses to the performance of blessings at marriage and birth ceremonies for good fortune. With the advent of the British Raj in the 19th century, the acts of "cross-dressing" were registered as a criminal offence and if such offences were committed repeatedly, imprisonment followed. Thus, began the criminalization of hijras. Today, although legally supported and socially empowered as compared to earlier times, hijras are still subject to transphobic discrimination-associated violence, poverty, and segregation.

In light of the above, answer the following:

- (a) Identify the challenges faced by transgenders during the different stages of their life.
- (b) Discuss the reasons for the continuing discrimination against transgenders in India despite several initiatives for their upliftment in recent times. (Answer in 250 words) 20

ट्रांसजेंडर शब्द का प्रयोग
समाज में उन लोगों के लिए किया
जाता है जिनकी बैंगिन विशेषताएं
उनके विपरीत लिंग के जैसी हैं।
समाज के सबसे छुमेरा व वंचित
वर्ग में इनकी गिती की जाती है।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(4). सामना की जाने वाली चुनौतियाँ -

1) परिवार व समाज में सबसे पहली चुनौती अपने वैयक्तिक विशेषता की जानकारी उजागर करने की है, क्योंकि भारतीय समाज में यह सामान्य रूप से स्वीकार्य नहीं है।

2) समाज में निश्कार भाव से देखा जाना तथा आगे बढ़ने के अवसर समाप्त कर दिए जाना।

3) सरकारी सहायता व संवेदनशीलता का अभाव।

4) शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास व क्षेत्र में लगातार वचन का शिकार।

3) बीमारी व बुढ़ापे जैसी
परिस्थितियों में कोई देखभाल
भी नहीं होना।

(b). हाल ही में की गई पहलें →

1) सरकार ने LGATQ+ समूह
को OBC के रूप में मान्यता
प्रदान की है।

2) राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर परिषद,
का गठन किया गया है,
जिसका कार्य इस समुदाय
के विकास संबंधी नीतियों
बनाना, उनके क्रियान्वयन
व निगरानी में मदद करना है।

समाज में अभी भी भेदभाव के कारण -

1) कानूनी → इनके प्रति भेदभाव
शेकने संबंधी कोई
प्रभावी कानून नहीं।
→ होमजेंडर समूह का परिभाषा,
अधिकारों को स्पष्ट करने
वले कानूनी ढाँचे का अभाव।

2) राजनीतिक → राजनीतिक दलों
द्वारा ये चुनावी मुद्दा
न माना जाना।
→ इन समूहों की कम
संख्या के कारण इनकी
आवाज न आयी जाना।

3) सामाजिक - समाज में स्वीकृति
का अभाव।
→ परंपरागत रूप से सोचने
की प्रवृत्ति।
→ प्रभावशाली समूहों द्वारा
जागरूक न किया
जाना।

उपाय →

- 1) सरकार की भेदभाव रोकने तथा अधिकार देने संबंधी प्रभावी कानून का निर्माण किया जाना चाहिए।
- 2) प्रशासन को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।
- 3) प्रभावशाली व्यक्तियों तथा धार्मिक संस्थानों से बात कर समाज में जागरूकता फैलाई जाए।

भाजपा का अक्षत मंदोत्सव

भारत देश में यदि एक प्रमुख समुदाय कुर्बानियों की भोगि रहेगा तो यह देश के समावेशी विकास के सपनों पर चोट होगी।

9.

आप एक राज्य में पुलिस महानिरीक्षक के रूप में तैनात एक आई. पी. एस. अधिकारी हैं। हाल ही में राज्य के एक जिले में कथित तौर पर पुलिस उपाधीक्षक (डी. एस. पी.) की मौजूदगी में हिरासत में हुई हिंसा के कारण एक पिता एवं पुत्र की मृत्यु से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया है। यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि पुलिस द्वारा शारीरिक हमले के कारण हिरासत में हुई मौतों के संबंध में मानवाधिकार समूहों द्वारा पहले भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। राज्य के उच्च न्यायालय ने हाल की इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर हिरासत में मौतों की बढ़ती घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार ने घटना की जांच करने और इससे जुड़े तथ्यों की सत्यता के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति का गठन किया है। आपको समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। आप जिले के पुलिस उपाधीक्षक को एक ईमानदार, मेहनती और शुचितापूर्ण अधिकारी के रूप में जानते हैं। उसने आपसे निजी तौर पर अनुरोध किया है कि आप उसे किसी भी गलत कार्य के आरोप से मुक्त कर दें क्योंकि उसका दावा है कि वह घटना के समय वहां पर मौजूद नहीं था। आप जानते हैं कि उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई उसकी प्रतिष्ठा और करियर के लिए हानिकारक होगी। वहीं दूसरी ओर, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राज्य में पुलिस की समग्र छवि की रक्षा के लिए सारा दोष डी. एस. पी. पर डालने और उसे बलि का बकरा बनाने के लिए आप पर दबाव बना रहे हैं।

दिए गए परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच न्यायसंगत और निष्पक्ष हो, आप क्या कदम उठाएंगे?
- भारत में पुलिस बल अपने दिन-प्रतिदिन के काम-काज में जिन चुनौतियों के दबाव में काम करते हैं, उन्हें देखते हुए कुछ पहलों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IPS officer posted as the Inspector General of Police in a state. The recent death of a father-son duo in one of the districts in the state, due to custodial violence allegedly in the presence of the Deputy Superintendent of Police (DSP), has sparked anger across the state. This is not an isolated incident, as there have been allegations raised by human rights groups in the past regarding custodial deaths due to physical assault by the police. The High Court of the State, taking suo moto cognizance of the recent incident, has served a notice to the state government, seeking a detailed report on the rising instances of custodial deaths. The state government has constituted a Committee to probe the incident and submit a detailed report about the veracity of facts related to it. You have been asked to head the Committee. You know the Deputy Superintendent of Police of the district to be an honest, hardworking and upright officer. He has privately requested you to absolve him of any wrongdoing as he claims not to be present when the incident occurred. You know that any action against him will be detrimental to his reputation and career. On the other hand, the seniors in the department are pressurising you to put all the blame on the DSP and make him a sacrificial lamb in order to protect the overall image of the police in the state.

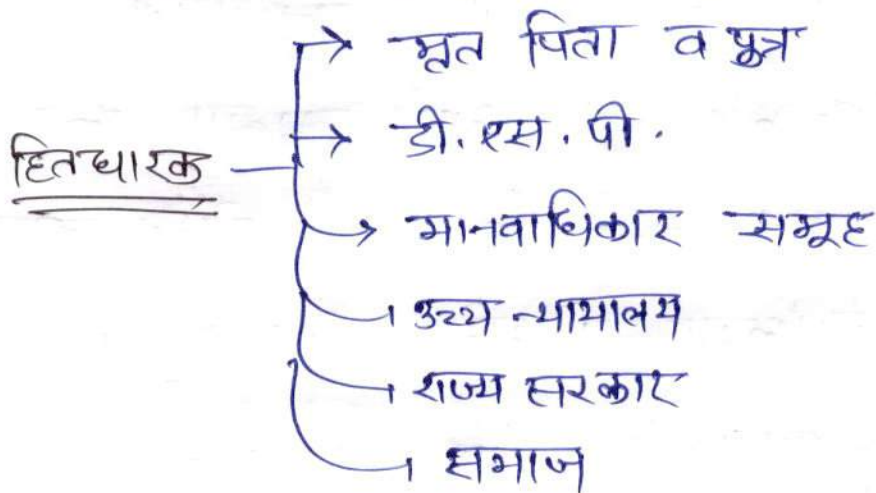
In the given scenario, answer the following questions:

- Identify the stakeholders and the ethical issues involved in the case.
- What steps will you take to ensure that the enquiry is seen to be fair and impartial?
- Given the challenges that the police forces in India operate under in their day-to-day functioning, suggest some initiatives to address them. (Answer in 250 words) 20

एक ईमानदार अधिकारी के रूप में मेरी सत्यनिष्ठा तथा कूपरी दवाब के बीच अज्ञान वाली परिस्थिति को इस केस स्टडी में उठाया गया है।

उम्मीदवारों को इस क्वेश्चन में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(v.) शामिल हितधारक व नैतिक मुद्दे -



नैतिक मुद्दे →

- 1) पुलिस विद्यमान में हिंसा तथा मृत्यु।
- 2) राज्य सरकार को उच्च न्यायालय का नोटिस।
- 3) किसी एक अधिकारी पर समस्त दोष डालकर विभाग की बचाना।

4) स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच वनाम
वरिष्ठों का दवाब।

(b.): बुकि राज्य सरकार द्वारा इस मुद्दे की जांच करने वाली समिति का नेतृत्व मुझे सौंपा गया है इसलिए निष्पक्षता, वस्तुनिष्ठता आदि मूल्यों का पालन करते हुए मैं निम्न उद्देश्य उठाऊंगा जिससे निष्पक्ष व न्यायसंगत जांच हो सके -

1) घटना वाले स्थान पर स्वयं जाकर सभी तथ्यों की जांच करूंगा।

2) राज्य सरकार की विश्वास में लेकर कार्यवाही करूंगा।

ताकि वरिष्ठों की उपाय की
प्रतिक्रिया कर सकें।

3) जो भी दोषी पाया जाएगा
असके खिलाफ स्पष्ट रूप से
कड़ी कार्यवाही करने संबंधी
सुझाव राज्य सरकार की दुंगा।

4) यदि मेरी जांच पर सवाल उठाया
जाता है तो पूरी वस्तुनिष्ठा
के साथ उन तथ्यों को सामने
~~कर~~ रखूंगा जिनके आधार पर
मेने निर्णय लिया।

(C). भारत में पुलिस बल द्वारा
दिन - प्रतिदिन साभना की
जाने वाली चुनौतियों -

1) लगातार बढ़ता राजनीतिकरण।

↳ राजनीतिक निष्ठाओं।
↳ पक्षपातपूर्ण कार्यवाही।

- 2) नयी तकनीकों का अभाव)
- 3) समाज में अह्दी दवि न
दौना।
- 4) लगातार बढ़ता कार्यभार)

सुझाव -

- 1) पुलिस सुधारों संबंधी सर्वोच्च
न्यायालय के प्रकाश सिंह वाद
में दिशानिर्देशों को लागू
किया जाए।
- 2) राजनीतिकरण कम किया जाए।
- 3) पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों
में संवेदनशीलता के स्तर
का विकास।

10.

मिस्टर X एक अरबपति व्यवसायी हैं जो बीमा, ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण तथा विनिर्माण कार्य में संलग्न एक बड़ी कंपनी के प्रमुख हैं। विश्व भर में एक महान परोपकारी के रूप में उनकी पहचान होने के बावजूद, उन्होंने एक शेयरधारक के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ विविधता और समावेशन से संबंधित मुद्दों पर कंपनी की कार्रवाइयों का खुलासा करने की मांग की गई थी।

जलवायु और विविधता के मुद्दों पर बढ़ते ध्यान के कारण, कई प्रमुख फर्मों ने अपनी व्यावसायिक रणनीतियों में प्रासंगिक विचारों को शामिल करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। इसलिए, कुछ उद्योग-पर्यवेक्षकों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि क्या मिस्टर X बड़े पैमाने पर उद्योग के संपर्क में नहीं हैं और उन्हें यह चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को हल करने में विफल रहने से उनके व्यवसाय के लिए प्रणालीगत जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसके बावजूद, मिस्टर X प्रकटीकरण प्रस्ताव के खिलाफ अपने मत पर कायम रहे, साथ ही जलवायु परिवर्तन और विविधतापूर्ण एवं समावेशी कार्यबल इन दोनों के महत्व को भी स्वीकार किया। हालांकि, मिस्टर X का मानना है कि शेयरधारकों के लाभ को अधिकतम करने के लिए इस तरह के नैतिक मुद्दे गौण महत्व रखते हैं।

- एक व्यावसायिक संगठन में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रणनीतियों और विविधता एवं समावेश को शामिल करने के महत्व पर चर्चा कीजिए?
- आपकी राय में, एक व्यावसायिक संगठन के लिए क्या अधिक मायने रखता है- सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताएं या शेयरधारकों का लाभ?
- उपर्युक्त दो मुद्दों को कैसे सुलझाया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. X is a billionaire businessman who heads a conglomerate engaged in insurance, energy generation and distribution, and manufacturing. Despite being globally known as a great philanthropist, he turned down a shareholder request seeking the disclosure of the conglomerate's actions on issues related to climate change as well as diversity and inclusion.

Because of increased attention to climate and diversity issues, many leading firms have committed themselves to incorporate relevant considerations in their business strategies. Therefore, some industry-observers wonder if Mr. X is out of touch with the industry at large and have warned him that failing to address climate change issues puts his businesses under systemic risk. But, Mr. X maintained his vote against the disclosure proposal, while at the same time acknowledged the importance of both climate change and a diverse and inclusive work force. However, Mr. X believes that such ethical issues take secondary importance to maximising shareholder profit.

- Discuss the importance of including climate change strategies and diversity and inclusion in a business organisation?
- In your opinion, what matters more for a business organisation - socio-environmental concerns or shareholder profit?
- How can the two above-mentioned issues be reconciled? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस इलाके में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

20

हाल के वर्षों में विश्व में
जलवायु परिवर्तन के जमीर होते
प्रभावों के बाद अब हर क्षेत्र में
 इसके लिए कार्यवाही करने की मांग
 की जा रही है। साथ ही
 विश्व भर में हर प्रकार के वर्गों
 की पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके
 इस मुद्दे पर विविधता
व समावेशिता का महत्व
 भी स्वीकार किया जा रहा है।

Q) ~~ब~~

1) जलवायु परिवर्तन संबंधी खनीति
का महत्व -

1) संगठन, उद्योग व अन्य
 क्षेत्रों में सम्मान का
 पात्र होगा।

2) प्रथी का संरक्षण, अंतरा स्वयं का संरक्षण है।

3) जलवायु परिवर्तन के संबंध में समाज को जागरूक भी कर सकते हैं।

ii) विविधता व समावेशिता का महत्व -

1) सामाजिक न्याय स्थापित।

2) कटुता बढेगी तथा संवेदनशीलता बढेगी।

3) समाज में स्वीकार्यता बढेगी।

b)

ii) सामाजिक पर्यावरणीय चिंता को ध्यान में रखना

फायदे

नुकसान

1) संवर्धनीय विकास

2) सामाजिक स्वीकार्यता ज्यादा।

3) सरकार से लाभ मिलेगा।

1) प्रतिस्पर्धा में पीछे हट सकते हैं।

2) अधिकतम लाभ नहीं होगा।

ii) बीयरधारकों का लाभ देना -

फायदे

- 1) अधिकतम लाभ
- 2) समाज की कोई नहीं सोचता।

नुकसान

- 1) संवारणीय नहीं
- 2) लंबे समय में लाभ बढ़ेगा
भ्रूंकि साख बढ़ेगी।

iii) आवश्यकता

केवल बीयरधारकों की न

सोचको

मेरे दिमाग से कंपनी
को लाभ पर ध्यान देना
चाहिए पर उसकी समाज
व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारियों
को भी ध्यान में रखा जाना
चाहिए।

(C) सुझाव / हल -

↳ केवल बीयरधारकों का हित न देखकर हितधारकों का भला किया जाना चाहिए, जिन्हें -

i) बीयरधारक - लाभ प्राप्त।

ii) सभाज - समायोजन किया जाए।

iii) संस्कार - कर मुक्तान
- कठिन पालन

iv) पर्यावरण - ईको फ्रेंडली

तात्कालिक लाभ की
जगह दीर्घकालिक लाभ की
दृष्टि से समायोजन, विविधता
व जलवायु अनुकूल दृष्टिकोण
तीनों का महत्व है।

11.

आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं जहां विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोग एक साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं। यह जिला अपनी स्थापत्य विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है और यहां विश्व भर से पर्यटक नियमित रूप से आते हैं। हालांकि, पड़ोसी राज्य में एक ऐसी घटना हुई है जिसमें दो अलग-अलग समुदायों के लोगों ने धार्मिक मुद्दों पर लड़ाई शुरू कर दी है। इस घटना का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। आपकी तैनाती वाले क्षेत्र में भी विभिन्न स्रोतों से आपको हेट स्पीच वाले कुछ ऐसे वीडियो के प्रसार की सूचना मिली है जो कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। आप यह भी जानते हैं कि आपके जिले में संदिग्ध नीयत से कुछ बाहरी लोगों का आना शुरू हो गया है। एक इलाके में एक दुकानदार की, जिसने पहले इंटरनेट पर कुछ पोस्ट करने के कारण मिलने वाली धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी, उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई है। इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आपको यह सूचना दी गई है कि दुकानदार जिस समुदाय का था, उस समुदाय के सैकड़ों लोग आपके जिले में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

- (a) दी गई स्थिति में, जिले में कानून और व्यवस्था की स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए आपके समक्ष क्या विकल्प उपलब्ध हैं। अपनी कार्रवाइयों का विस्तृत विवरण प्रदान कीजिए।
- (b) क्या आपको लगता है कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढांचे समाज में हेट स्पीच के खतरे से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

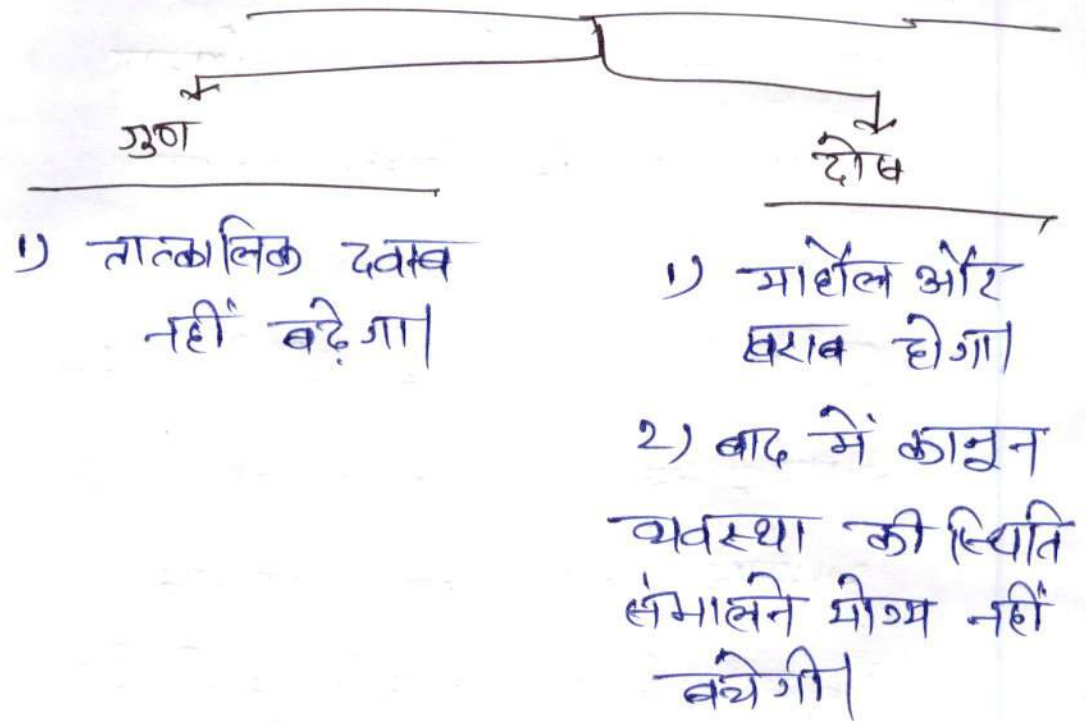
You are posted as a Superintendent of Police (SP) in a district where people of different religious communities are living together peacefully. The district is also famous for its architectural heritage and is regularly visited by tourists from all around the world. However, there has been an incident in the nearby state where people of two different communities have started fighting over religious issues. This incident has a spillover effect over the whole country. In your own area of jurisdiction, you have come to know from various sources about circulation of some hate speech videos, which have the potential to destabilise the law and order situation. You are also aware that some outsiders with dubious intentions have started pouring in your district. In one locality, a shopkeeper who had earlier filed a complaint regarding threats he received for posting something on the internet, is found murdered in cold blood. This incident has stunned the nation. You are being informed that hundreds of people of the community to which the shopkeeper belonged are planning to stage a massive protest in your district.

- (a) In the given situation, what are the options available to you to ensure that the law and order situation in the district remains stable. Provide a detailed account of your course of action.
- (b) Do you think the present legal and institutional mechanisms are sufficient to tackle the menace of hate speech in the society? (Answer in 250 words) 20

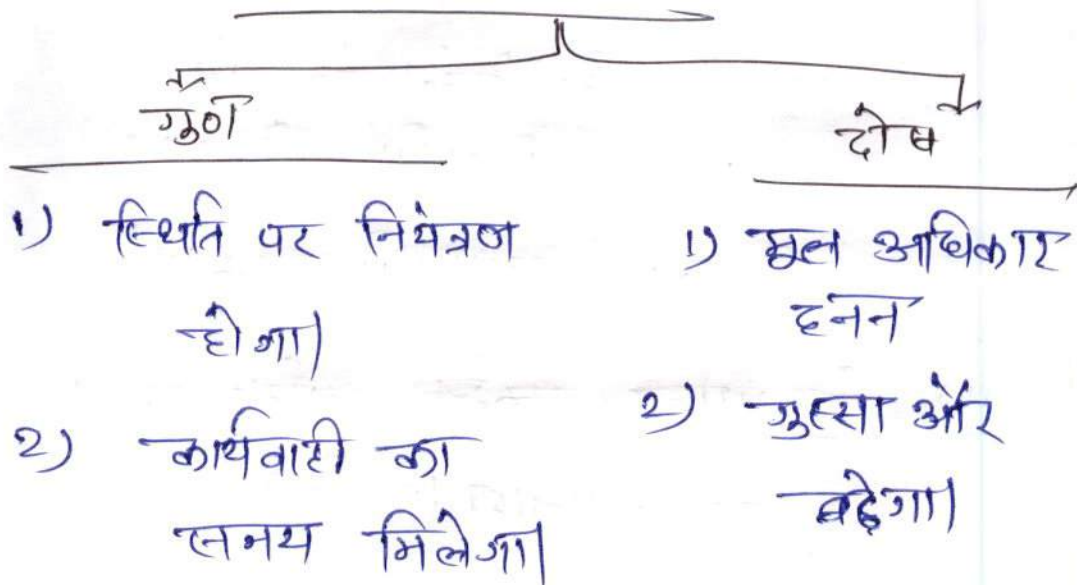
इस कैसे स्टडी में
विभिन्न धार्मिक समूहों के मध्य
बढ़ती असहिष्णुता तथा दूरस्थीय
जैसे कारकों को संबोधित
करने की गंगा की जड़ है।

(a). उपलब्ध विकल्प -

(1). विशेष प्रदर्शन होने से तथा
घटनाक्रम को सामान्य मानें -



(2). इंटरनेट बंद करवा दें तथा धारा
144 लागू करवा दें -



3) में निम्न विकल्प चुनेगा -

- 1) तात्कालिक रूप से हत्या के आरोपी को ~~का~~ गिरफ्तार कर समाज में यह नरोसा जगाऊंगा कि दोषी दोषी नहीं जाएगा।
- 2) दूसरे समुदाय के लोगों को शान्तिपूर्वक विरोध प्रदर्शन की अनुमति देगा, पर अशान्त बहना होने पर कड़ी कार्यवाही करेगा।
- 3) पड़ोसी राज्यों से असामाजिक तत्वों को रोकने के लिए विभिन्न विभागों के साथ मिलकर कार्यवाही करेगा।
- 4) दृष्टीयु करने वाले तत्वों पर कार्यवाही।

5) विभिन्न ~~का~~ धार्मिक प्रभुओं से बातचीत कर खाँति बनाए रखने का आखिन करुंगा।

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b.)

द्वेष्टीय से निपटने का वर्तमान ढाँचा -

1) IPC की धारा 153 तथा 295-A विभिन्न प्रकार के समूहों में ~~अपमान~~ द्वेष बढ़ाने तथा दूसरे धर्म का अपमान करने पर एक लगाती हैं।

2) पिछले साल की सूचना प्रौद्योगिकी गारडलान्स में भी इसके लिए अप्रत्यक्ष प्रावधान हैं।

कर्मियाँ -

1) द्वेष्टीय की परिभाषा स्पष्ट नहीं।

2) लोगों में डिजिटल जागरूकता नहीं।

3) एक स्पष्ट तथा व्यापक
कानून की अभाव)

उपाय -

1) सोशल मीडिया के प्रयोग
संबंधी जागरूकता बढ़ाई जाए।

2) स्पष्ट कानून बने क्रिया-व्ययत
हो।

3) विभिन्न एजेंसियों के मध्य
समन्वय द्वारा इस पर निगरानी
हो।

महात्मा गांधी के सर्वधर्मसम-
भाव का पालन करते ही
भारत आगे बढ़ सकता है।

12.

भारतीय शिक्षा प्रणाली कई समस्याओं से ग्रस्त है। प्रमुख समस्याओं में से एक 'रटकर सीखने' पर ध्यान केंद्रित करना है जो कई वर्षों से भारतीय शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता रही है। हालांकि, कई भारतीयों ने इस प्रणाली के बावजूद सफलता प्राप्त की है, किंतु आज की दुनिया में केवल सूचनाओं को याद रखने में सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, जबकि वह सूचना किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन पर तुरंत उपलब्ध हो जाती है। 200 भारतीय और विदेशी कंपनियों के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि केवल 14% भारतीय स्नातक कार्यबल में शामिल होने के लायक थे। इसका मुख्य कारण यह था कि अधिकांश स्नातक वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अपने ज्ञान का प्रयोग करने में असमर्थ थे। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- (a) देश में युवा छात्रों के शैक्षिक विकास पर 'रटकर सीखने' के क्या प्रभाव हुए हैं?
- (b) इस मुद्दे को हल करने के लिए किए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Indian education system suffers from many ills. One of the major issues is the focus on 'rote learning', which has been the staple of the Indian education system for many years. While many Indians have attained success despite this system, simply being able to recall information is not enough in today's world when that information is instantly available to anyone on a mobile phone. A survey of 200 Indian and foreign companies found that only 14% of Indian graduates were prepared for the workforce, largely because most graduates were unable to apply their knowledge to solve real-world problems.

In this context, answer the following questions:

- (a) What are the consequences of 'rote learning' on the educational development of young students in the country?
- (b) Suggest measures that can be taken to address this issue. (Answer in 250 words) 20

भारतीय शिक्षा प्रणाली
में समावेशन के अभाव
के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण
कमी 'रटने' पर केंद्रित रहने
की है। यह व्यक्ति के
समग्र विकास में बाधक
है तथा उसे हमेशा दूसरों
पर निर्भर रहना सिखाता है।

उम्मीदवारों को
इस ह्रासिण में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(9) शहर क्षेत्रों के प्रभाव -

1) केवल सूचनाओं का संग्रहण
~~1) केवल सूचनाओं के संग्रहण~~

~~की आदत।~~

2) मस्तिष्क का समग्र विकास नहीं।

3) जियो समस्या के विभिन्न आयामों पर सोच पाने की क्षमता नहीं।

4) अलिखित नामक स्वयं-विचार-विमर्श जैसे गुणों का अभाव।

5) मनुष्य का अपने लिए अर्थात् सोच पाने की क्षमता विकसित न हो पाना।

6) द्वे करने के उपाय -

1) नयी शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन।

↳ इसमें दात्रों की सूचनाओं का परीक्षण नहीं किया जाएगा।

↳ दात्र में यथा, विमर्श, अलोचनात्मक सूझांकन के गुण विकसित किए जाएंगे।

2) स्कूलों व कॉलेजों में डिवेदिंग को प्रोत्साहित।

3) केवल कितबी तान की जगह समज, पर्यावरण,

अनुभवों से सीखने पर जोर।

- 4) उन क्षेत्रों की प्रोत्साहन
जो सूचना के संग्रहण
की जगह विभिन्न मुद्दों
पर अपनी राय रखते हैं।

प्रधानमंत्री का 2047
तक भारत को विकसित बनाने
का विजय विना शिक्षा
के क्षेत्र में समता निर्माण
के नहीं प्राप्ति किया जा
सकता।

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

L